**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**14.12.2018 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 596 का उत्तर**

**इंदौर और दाहोद के बीच नई रेल लाइन की वर्तमान स्थिति**

**596. श्री नारणभाई जे. राठवाः**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) वर्तमान समय में मध्य प्रदेश के इन्दौर से गुजरात के दाहोद के बीच जो नई रेल लाइन का निर्माण कार्य चल रहा है उसकी वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) उपरोक्त कार्य कब तक पूरा हो जाएगा; और

(ग) उपरोक्त रेल लाइन का निर्माण कार्य पूरा होने में विलंब के क्या कारण हैं?

**उत्तर**

**संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं**

**रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मनोज सिन्हा)**

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*\*

इंदौर और दाहोद के बीच नई रेल लाइन की वर्तमान स्थिति के संबंध में 14.12.2018 को राज्‍य सभा में श्री नारणभाई जे. राठवा के अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 596 के भाग (क) से (ग) के उत्‍तर से संबंधित **विवरण।**

(क) से (ग): अमझेरा (4.82 किमी) नई लाइन परियोजना के संरेखण में बदलाव के लिए वस्तुपरक आशोधन सहित सरदारपुर-झबुआ तथा धार (200.97 किमी) के रास्ते दाहोद-इंदौर परियोजना को बजट 2007-08 में शामिल कर लिया गया है। परियोजना की अद्य़तन अनुमानित लागत 1640.40 करोड़ है। 31.03.2018 तक 448.42 करोड़ रु का व्यय किया जा चुका है और वर्ष 2018-19 के लिए इस परियोजना के लिए 120.00 करोड़ रु का परिव्यय मुहैया करा दिया गया है। परियोजना शुरु कर दी गई है। परियोजना की खण्ड-वार वर्तमान स्थिति निम्नानुसार हैः

(i) इंदौर-राउ-तिही (21.00 किमी): चालू हो गया है।

(ii) तिही-धार (45.53 किमी) और झबुआ-पितोल (13.92 किमी) और कटवारा-दाहोद (11.32 किमी): कार्य शुरू हो गया है और निष्पादन के विभिन्न चरणों में है।

(iii) धार-झबुआ (104 किमी): यह सेक्शन घाट सेक्शन से होकर गुजरता है और जिसमें 13.56 किमी लंबी सुरंग और 3 किमी लंबा पुल शामिल है। भूमि अधिग्रहण शुरू हो गया है और यह विभिन्न चरणों में है।

(iv) पितोल-कटवारा (11.96 किमी): भूमि अधिग्रहण शुरू हो गया है और यह विभिन्न चरणों में है।

(v) काटवारा-दाहोद (10.68 किमी): कार्य शुरू हो गया है।

 परियोजना विगत में अपर्याप्त निधि के कारण 2013-14 तक प्रभावित हुई थी। 2014-15 से आगे, परियोजना के लिए अधिक निधि का आवंटन किया जा रहा है और कार्य में तेजी आई है। आवश्यकता के अनुसार, इसके जल्द पूरा होने लिए परियोजना के लिए पर्याप्त निधि उपलब्ध कराया जा रहा है।

\*\*\*\*\*\*